7 जनवरी, 2021

अखिल भारतीय वैश्य एकता परिषद् के राष्ट्रीय अधिवेशन में संबोधन

अलीगढ

➢ अखिल भारतीय वैश्य एकता परिषद्, द्वारा आयोजित इस राष्ट्रीय अधिवेशन में आज आप सबके बीच आकर मुझे अत्यधिक प्रसन्नता हो रही है।

➢ मैं इस कार्यक्रम के आयोजकों का समारोह में आमंत्रित करने के लिए धन्यवाद करता हूं। आज इस वैश्य महाकुम्भ में 13 राज्यों के लगभग 190 जिलों से समाज के प्रबुद्ध लोग सम्मिलित हुए हैं।

➢ वैश्य समाज का एक स्वर्णिम इतिहास रहा है। आप जगतपालक भगवान विष्णु के अंश हैं और उन्हीं की प्रेरणा से आप समाज की विभिन्न रूपों में सेवा कर रहे हैं।

➢ आप आदि काल से कृषि, वाणिज्य, सामरिक एवं प्रशासनिक क्षेत्रों में हमारी सभ्यता और संस्कृति की सेवा करते आये हैं।

➢ मानव कल्याण, राष्ट्र निर्माण और समाज सेवा के कार्यों में वैश्य समाज हमेशा से आगे रहा है। स्वतंत्रता आंदोलन में इस समाज के लोगों ने देश प्रेम की भावना से तन, मन और धन हर प्रकार से सहयोग किया।

➢ वैश्य समाज ने देश की प्रगति और विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आपके पूर्वजों के कार्यों के कारण, उनकी सेवा, समर्पण और त्याग की भावना के कारण आज सम्पूर्ण देश में इस समाज को प्रतिष्ठित स्थान मिला है।

➢ वैश्य समाज अपने विभिन्न संगठनों के माध्यम से समाज सेवा, ज्ञान के प्रचार-प्रसार और समुदाय के आर्थिक सशक्तिकरण, सामाजिक उत्थान और आध्यात्मिक उन्नति के कार्य कर रहा है।

➢ साथियो, हमारी संस्कृति में सेवा और समर्पण का भाव है। भारतीय संस्कृति के अंदर सेवा और समर्पण के सामूहिक प्रयासों से सभी समाजों ने देश के निर्माण में योगदान देकर इस देश को आगे बढाया है।

➢ कोरोना वैश्विक महामारी के समय सामूहिक प्रयासों से हमने उस चुनौती का मुकाबला किया। जहां भी जिस व्यक्ति ने, संगठन ने, संस्था ने, समाज ने लोगों के अभाव देखे, मुसीबतें देखीं, कठिनाई देखी, वहां पर सामूहिक प्रयासों से उनके अभावों को दूर किया, उनकी मुसीबतों को दूर किया और इस महामारी की चुनौती का मुकाबला किया।

➢ हमारे यही संस्कार रहे हैं कि जब कभी संकट आता है, देश में आपदा आती है तो हम सब सामूहिक प्रयासों से, एक संकल्प से उन परिस्थितियों से मुकाबला करते हैं।

➢ वैश्य समाज ने भी कोरोना महामारी के दौरान अपने समाज के लोगों तथा वंचित तथा अभावग्रस्त लोगों की यथासंभव एवं यथाशक्ति सहायता की। अपने सेवा कार्यों के लिए आप सबके लिए प्रेरणास्त्रोत हैं।

➢ हमारे सामूहिकता में शक्ति है, संकल्प है, हम हर चुनौती का मुकाबला मिलजुलकर कर सकते हैं और यह देश ने वर्तमान संकट के दौरान कर दिखाया है।

➢ एक ओर जहां वैश्य समाज के लोग निरंतर समाजोपयोगी कार्य कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर उन्होंने अपनी प्रतिभा से राष्ट्र का नाम विश्व के समक्ष रौशन किया है।

➢ वैश्य समाज के व्यवसायियों, उद्योगपतियों, शिक्षाविदों और गणमान्य व्यक्तियों को एक दूसरे से जोड़ने और एकजुट करने के प्रयास में अखिल भारतीय वैश्य एकता परिषद् महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

➢ आप एक ऐसे समाज के निर्माण के लिए योगदान दे रहे हैं जो समृद्ध, संपन्न, समरसतापूर्ण एवं शांतिपूर्ण हो। आपकी यह भावना सबको प्रेरित करती है।

➢ आपकी संस्था अनुभवी व्यवसायियों के साथ संपर्क स्थापित करने और उनसे सार्थक जानकारी प्राप्त करने के लिए युवा उद्यमियों के लिए मंच भी प्रदान करती है। यह हमारे युवाओं को सशक्त बनाने का एक उत्तम माध्यम है।

➢ हमारी सरकार विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को अर्थव्यवस्था में सार्थक योगदान देने के लिए उन्हें समुचित शिक्षा, कौशल तथा अन्य साधन उपलब्ध कराने और इनके माध्यम से एक नए राष्ट्र का निर्माण कर रही है। आपकी संस्था सरकार के प्रयासों का सहयोग कर रही है।

➢ आज E-Commerce में संचार प्रौद्योगिकी के उपयोग ने युवा उद्यमियों के लिए नवाचारों के नए अवसर प्रदान किए हैं जिससे वे अपने उत्पाद आम जनता तक पहुँचा सकते हैं। हमारे Start Ups और Unicorns विश्व में व्यवसाय के नए अवसरों का लाभ उठाने में अग्रणी हैं।

➢ हमारे युवा उत्कृष्ट संचार और कम्प्यूटर कौशल से युक्त हैं और उन्हें और नए क्षेत्रों की खोज करनी चाहिए तथा देश में वैश्विक ब्रांड विकसित करने की दिशा में कार्य करना चाहिए।

➢ हमारा विज़न है कि भारत वैश्विक सप्लाई चेन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बने और हमारे उत्पाद अपनी गुणवत्ता के लिए जाने जाएँ। 'वोकल फॉर लोकल' इसी विचार पर आधारित है।

➢ एक मजबूत अर्थव्यवस्था की नींव के साथ आज भारत की गिनती एक उभरती हुई मजबूत अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में हो रही है।

➢ सरकार ने राष्ट्र के विनिर्माण और औद्योगिक क्षेत्र के आधार को सुदृढ़ करने हेतु कई कदम उठाए हैं। इनमें से एक है 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम जिसका उद्देश्य भारत को विनिर्माण का केंद्र बनाना।

➢ मुझे पूर्ण विश्वास है कि व्यावसायिक समुदाय इन उपलब्ध अवसरों का पूरा लाभ उठाएंगे और राष्ट्र के विकास की प्रक्रिया में अपना भरपूर योगदान देंगे।

- इस अधिवेशन में महान स्वतंत्रता सेनानी तथा तीन बार प्रान्त के मुख्यमंत्री रहे स्वर्गीय चन्द्रभानु गुप्ता जी, प्रख्यात अभिनेता स्वर्गीय भारत भूषण जी, स्वर्गीय अशोक सिंघल जी तथा संगीतकार स्वर्गीय रविन्द्र जैन जी को 'राष्ट्रीय भामाशाह रत्न' पुरस्कार से अलंकृत किया जा रहा है।
- मैं इन सभी महापुरुषों को अपनी श्रद्धांजलि देता हूं। इन सबने अपने अपने क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान के माध्यम से समाज और राष्ट्र की अनुपम सेवा की है।
- अंत में, मैं आपके सभी भावी प्रकल्पों के लिए शुभकामनाएं देता हूँ। आप सब उत्साह के साथ जन सेवा का कार्य इसी प्रकार करते रहें।
- आप सबको नव वर्ष और गणतंत्र दिवस की अनंत मंगलकामनाएं। धन्यवाद।